>

Title: Need to prevent crops against damage caused by nilgais and boars in Kota parliamentary constituency, Rajasthan.

श्री इज्यराज सिंह (कोटा): देश के कई ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की भूमि पर नील गायों एवं जंगली सुअरों द्वारा बड़ी मात्रा में फसल को नुकसान पहुंचाया जा रहा हैं रात के समय में जंगलों से यह नील गाय और सुअर किसानों के खेतों में पहुंचकर किसानों की फसल को तहस नहस कर देती है जिसके कारण किसानों के द्वारा जो लागत खेती में लागत लगाई जाती है उसके नुकसान से किसान बहुत दुखी है। मेरे संसदीय क्षेत्र कोटा के ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी घटनाएं बहुत तेजी के साथ बढ़ रही है। नील गायों एवं जंगली सुअरों को भगाते समय किसी की मौत हो जाये तो किसानों को वन अधिकारी वन जीव कानून उल्लंघन करने के कारण परेशान करते हैं जिसके कारण किसान कुछ नहीं कर पाता है। किसानों की फसल को नील गायों एवं जंगली सुअर से बचाने के लिए जिला स्तर पर प्रयास किये जाये और वन्य जीवन कानूनों में संशोधन किया जाये। नील गाय और जंगली सुअर पानी की तलाश में जंगलों से आते हैं और फसल को देखकर नील गायें उनको चरने लग जाती है एवं जंगली सुअर उनको नुकसान पहुंचाते हैं। अगर जंगलों में इनके लिए पानी को उपलब्ध करवाया जाये तो कुछ सीमा तक समस्याओं का निराकरण किया जा सकता है।

सरकार से अनुरोध है कि किसानों की फसल को नील गाय और जंगली सुअर से बचाने हेतु गंभीरता से विचार किया जाये।